नौकरो और गुलाम के जुर्म की सज़ा

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी 'रसूलुल्लाहﷺ के साथियो का हाल'.

'नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.'

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*तिर्मेज़ी, रावी हज़रत आईशा रदी.

एक आदमी रसूलुल्लाहﷺ के पास आया, उसने कहा, ऐ अल्लाह के रसूल! मेरे कुछ गुलाम हे जो मुझ से झूठ बोलते हे और अमानत में खयानत करते हे और मेरी नाफार्मनी करते हे और में उनको बुरा भला कहता हूं और उन्हे मारता हूं, तो उनके बारे में मेरा क्या बनेगा.? आपﷺ ने फरमाया की जब कियामत का दिन आयेगा तो उनकी खयानत व नाफार्मनी और झूठ और तुम्हारी सज़ा जो तुम उन्हे देते हो, दोनो का हिसाब लगाया जायेगा, अगर तुम्हारी सज़ा उनके जुर्म के बराबर हुई तब तो तुम्हे कुछ लेना रहेगा ना देना. और अगर तुम्हारी सज़ा उनके जुर्म से कम हुई तो ये तुम्हारे हक में रेहमत

का सबब होगा. लेकिन अगर तुम्हारी सज़ा उनके जुर्म से बढी हुई निकली तो जितनी बढी हुई हे उतना बदला लिया जायेगा. ये सुनकर वो आदमी एक किनारे होकर फूट-फूट कर रोने लगा, फिर उससे आपﷺ ने ये कहा, क्या तूने अल्लाह की ये बात कुरान में नही पढी जो उसने फरमाई हे? "वनजउल मवाजीना" (आखिर तक, जिस का अनुवाद ये हे) "हम कयामत के दिन इन्साफ की तराजू में हर शख्स के कर्मो को तौलेंगे और किसी की तौल में कोई ज़ुल्म ना किया जायेगा, और ज़र्रा बराबर भी कोई कर्म बुरा भला किसी के नाम ए आमाल में होगा तो हम उसे सामने लायेंगे, और हम हिसाब लेने के लिए बिल्कुल काफी हे" तो उस आदमी ने कहा, अब मेरे लिए यही बेहतर हे की इन गुलामो से अलग हो जाउं. ऐ अल्लाह के रसूल! में आपको गवाह बनाता हूं की मेने इन्को आज़ाद किया. दुनिया में बहुत से लोग अपने खादिमो और नौकरो को पीटते रहते हे, फिर ये शख्स क्यू हुजूर के पास आया? और क्यू उसने पूछा की मेरा उनके बारे में क्या हाल होगा? अगर उसको आखिरत की फिकर ना होती तो ये सवाल उसके दिल में उठ नही सकता था, फिर देखिये वो

आपﷺ की बात सुन कर फूट-फूट कर रोने लगता हे यहा तक की उन्हे आज़ाद कर देता हे ताकि ये आज़ाद करने का अमल उसकी पहली ज़्यादतियो के लिए जो उन गुलामो पर मुम्कीन हे हो गई हो कफ्फारा बने.